विश्वभारती की संस्थाएँ → I. पाठभवन → इसमें प्राथमिक कक्षाओं से लेकर माध्यमिक कक्षाओं तक शिक्षा प्रदान की जाती है। इस स्तर पर शिक्षा का उद्देश्य बालकों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। शिक्षा का माध्यम बंगाली है।

II. शिक्षा भवन → इसमें इन्टर माध्यमिक कक्षाओं के शिक्षण की व्यवस्था है। यहाँ विद्यार्थियों की आवश्यकताओं पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जाता है।

III. विद्या भवन → इसमें स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं के शिक्षण की व्यवस्था है। यहाँ प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, संस्कृत, बंगाली, हिन्दी, इण्डिया, अंग्रेजी, दर्शन आदि विषयों में शोध कार्य करने की भी व्यवस्था है।

IV. विनय भवन → यह अध्यापकों के प्रशिक्षण की संस्था है।

V. कला भवन → इसमें ललित कलाओं की शिक्षा प्रदान की जाती है।

VI. शिल्प भवन → इसमें विभिन्न प्रकार के कुटीर उद्योगों तथा हस्त कौशलों की शिक्षा दी जाती है।

VII. संगीत भवन → इसमें संगीत नृत्य एवं अभिनय की शिक्षा प्रदान की जाती है।

VIII. चीन भवन → इसमें भारतीय विद्यार्थियों को चीन व चीनी विद्यार्थियों भारतीय संस्कृति की शिक्षा दी जाती है।

IX. हिन्दी भवन → इसमें हिन्दी भाषा की शिक्षा तथा अनुसंधान की व्यवस्था

X. श्री निकेतन → इसमें ग्रामीण जीवन की समस्याओं का अध्ययन किया जाता है तथा ग्रामों के पुनर्संगठन के कार्य में विद्यार्थियों की रुचि उत्पन्न की जाती है।

Scanned with CamScanner